बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

ekfld ifronu

दिसम्बर 2018

fcgkj jkT; vkink icl/ku ikf/kdj.k

¼vkink icl/ku foHkkx] fcgkj ljdkj½

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

fo"k; lwph   i`"B la-

(A)	vfHk;rkvksa@okLrqfonksa@lsonkdksa@jktfefL=;ksa dks HkwdEijks/kh fuekZ.k rduhd ls lacaf/kr izf'k{k.k	1&3
(B)	fcgkj iz'kklfud lsok ds inkf/kdkfj;ksa dk vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku ij 0;kolkf;d izf'k{k.k dk;Øe	4
(C)	eq[;ea=h fo|ky; lqj{kk dk;Øe	5&9
(D)	ukfodksa ,oa uko ekfydksa izf'k{k.k	10&11
(E)	ukfdkvksa ds fuca/ku grq fuca/kdksa@lo{kdksa dk izf'k{k.k	12
(F)	vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij iapk;r izfrfuf/k;ksa dk izf'k{k.k dk;Øe	13&14
(G)	vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij fcgkj ds lHkh ftyksa ds p;fur iz[k.Mksa ds izeq[k ,oa ftyk ifj"kn v/;{k dk jkT; Lrjh; izf'k{k.k dk;Zdze	15–16
(H)	fcgkj HkwdEiekih r= dk iz`xfr fooj.k	17
(I)	**Mass Messaging/Whatsapp Advisory**	18&19

jktfefL=;ksa dk HkwdEijks/kh Hkouksa ds fo"k; ij izf'k{k.k

ekfld izfrosnu ¼fnlEcj] 2018½

(A) vfHk;arkvksa@okLrqfonksa@lonsndksa@jktfefL=;ksa dk HkwdEijks/kh fuekZ.k rduhd ls lacaf/kr izf'k{k.k

¼1½ नवम्बर, 2018 माह तक कुल 3042 राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया था। दिनांक 6 से 12 दिसम्बर 2018 को दरभंगा जिला के तेरह प्रखंडों (दरभंगा सदर, बहादुरपुर, हनुमान नगर, हायाघाट, बहेरी, बेनीपुर, अलीनगर, घनश्यामपुर, गौरा बैराम, किरतपुर, बिरौल, कुशेश्वर स्थान एवं कुशेश्वर स्थान पूर्वी) में 371 jktfefL=;ksa को प्रशिक्षित किया गया।

¼2½ दिनांक 26–27 दिसम्बर 2018 को राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षक तैयार करने के लिए दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में 47 u;s Lukrd bathfu;jksa ने भाग लिया।

¼3½ दिनांक 28–29 दिसम्बर 2018 को राजमिस्त्रियों के वर्तमान प्रशिक्षकों का दो दिवसीय जाँच परीक्षा कार्यक्रम सम्पादित किया गया। इस कार्यक्रम में 45 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

¼4½ नवंबर 2018 तक 1152 असैनिक अभियंताओं को भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया था। दिनांक 11–14 दिसम्बर 2018 को दरभंगा जिला के 57 असैनिक अभियंताओं को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

दिनांक 19–22 दिसम्बर 2018 को मधुबनी जिला के 54 असैनिक अभियंताओं को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

इस प्रकार दिसम्बर 2018 तक कुल 3042+371 ¾ 3413 jkt fefL=;k एवं 1152+57+54 = 1263 vlfud vfHk;rkvk को प्रशिक्षित किया गया है।

fnlEcj 2018 e lpkfyr dk;Øek dk fooj.k

Mason Trainers Training / Refresher at Pant Bhawan			
Sr.	**Name of Program**	**Training Date**	**No. of Participants**
1	Orientation and Test	26-27 December	47 new Engineers
2	Test Examination	28-29 December	45 Mason trainers

7 days block level mason training at Darabhanga District			
Sr. No.	**Name of Block**	**Training Date**	**No. of mason trained**
1.	Darbhanga Sadar	**06-12 December 2018**	28
2.	Bahadurpur		24
3.	Hanuman Nagar		27
4.	Hayaghat		29
5.	Baheri		26
6.	Benipur		30
7.	Alinagar		30
8.	Ghanshyampur		29
9.	Gaura Bairam		28
10.	Kiratpur		30
11.	Biraul		30
12.	Kusheshwar Asthan		30
13.	Kusheshwar Asthan (East.)		30
		Total	**371**

4 days Engineers Training in districts			
Sr. No.	**Name of District**	**Training Date**	**No. of engineers trained**
1.	Darbhanga	11-14 December 2018	No. of Engineers trained: 57
2.	Madhubani	19 - 22 December 2018	No. of Engineers trained: 54

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.jagran.com

विविध गतिविधियां

राजमिस्त्रियों को दिया गया प्रशिक्षण

जेएनएन, दरभंगा : अलीनगर, कुशेश्वरस्थान एवं हायाघाट समेत जिले के कई प्रखंडों में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर राज मिस्त्री को भूकंप रोधी मकान निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। अलीनगर में प्रशिक्षण प्रभारी कुमार सौरभ, मास्टर ट्रेनर वैद्यनाथ पासवान, मो. मुस्लिम अंसारी ने राज मिस्त्री को नई तकनीक की जानकारी दी। मौके पर सीओ समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

कुशेश्वरस्थान : जनप्रतिनिधि भवन में भूकंपरोधी भवन निर्माण का प्रशिक्षण शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तकनीक सलाहकार डॉ सुनील कुमार चौधरी ने भूकंप रोधी भवन निर्माण के लिए कुर्सी एवं नींव की सुरक्षा के महत्व को बड़े ही सरल, सहज एवं प्रभावकारी तरीके से समझाया। मौके पर सीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

हायाघाट : प्रखंड मुख्यालय स्थित ट्रायसम भवन में आपदा प्राधिकरण की ओर से आयोजित सात दिवसीय आपदा प्रशिक्षण के दौरान 30 अनुभवी राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण प्रभारी एवं मास्टर ट्रेनर्स शिवम शर्मा, उजय कुमार व त्रिभुवन साह आदि मौजूद थे। इससे पूर्व उक्त प्रशिक्षण का उदघाटन बीडीओ राकेश कुमार व उपप्रमुख फखरे आजम ने संयुक्त रूप से किया।

राज मिस्त्रियों को भूकंपरोधी मकान निर्माण का दिया प्रायोगिक प्रशिक्षण

- राज्य आपदा प्राधिकरण के तकनीकी सलाहकार ने दी बारीक जानकारी

प्रतिनिधि ▷ सदर

प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन में राज मिस्त्रियों को भूकंपरोधी मकान निर्माण के लिए प्रायोगिक तौर से प्रशिक्षण दिया गया. वहां मौजूद राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तकनीकी सलाहकार डॉ सुनील कुमार चौधरी ने भूकंपरोधी भवन के लिए कुर्सी एवं नींव की सुरक्षा की महत्ता को बड़े ही सरल, सहज एवं प्रभावी तरीके से समझाया. उन्होंने बताया कि भूतल से 0.6 मीटर नीचे ठोस मिट्टी उपलब्ध हो तो वहां खुला नींव अपना सकते हैं. उन्होंने चिकनी मिट्टी, बलुआही मिट्टी या बलुआही चिकनी मिट्टी में भूतल से कम से कम 1.5 मीटर की गहराई पर वर्गाकार ईंट पीलर नींव या आरसीसी पीलर नींव उपयोग किये जाने के तरीके बताये. कहा कि यदि किसी स्थल पर बहते जल से

नींव निर्माण का प्रायोगिक प्रशिक्षण देते तकनीकी सलाहकार डॉ सुनील कुमार चौधरी.

कटाव के कारण गहराई अधिक हो तो नींव की गहराई बढ़ाये जाने को कहा. श्री चौधरी ने कहा कि जहां बहते जल से गहरे कटाव अथवा भूकंप में बलुआही मिट्टी के द्रवीकरण की संभावना हो, वहां एक मंजिला मकान के लिए निचले भाग में एक बल्ब वाले 3.3 मीटर गहरे आरसीसी पाइल नींव का उपयोग किया जा सकता है. पीलर नींव या पाइल नींव की आपसी दूरी 1.5 मीटर से 1.8 मीटर तक रखनी चाहिए.

मौके पर विभिन्न प्रकार की नींव आरसीसी पीलर नींव एवं ईंट पीलर नींव निर्माण का अभ्यास मास्टर ट्रेनर की देखरेख में राजमिस्त्रियों को कराया गया. नई तकनीक की जानकारी से राजमिस्त्री उत्साहित नजर आये. मौके पर सीओ अरुण कुमार सक्सेना, अंचलकर्मी, जनप्रतिनिधि के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

(B) fcgkj iz'kklfud lsok ds inkf/kdkfj;ksa dk ^vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku* ij 0;kolkf;d izf'k{k.k dk;ZØe

प्राधिकरण की बैठकों (10वी एवं 11वी) के निर्णय के आलोक में बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों का आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण बिपार्ड के सहयोग से जनवरी 2018 से प्रारंभ किया गया है।

वर्तमान में जिला स्तर पर पदस्थापित बि.प्र.से. के पदाधिकारियों का प्रशिक्षण बिपार्ड में चल रहा है। माह जून 2018 तक कुल 509 पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक दिनांक 13.06.2018 में प्राधिकरण को दिए गए निदेशों के अनुरूप जून माह में बाढ़ प्रवण जिलों में स्थानांतरित आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में गैर अनुभवी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों का प्रशिक्षण जुलाई माह से बिपार्ड में प्रारंभ किया गया। इनके प्रशिक्षण के सम्पन्न हो जाने के उपरांत दिसम्बर 2018 से अवशेष बचे बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी का प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया।

माह दिसम्बर में चार चरणों में कुल 85 पदाधिकारियों के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है जिसका विवरण निम्न है।

fnukad	izf'k{k.kkfFkZ;ksa dh la[;k
04–05 दिसम्बर, 2018	18
11–12 दिसम्बर, 2018	20
18–19 दिसम्बर, 2018	26
26–27 दिसम्बर, 2018	21
dqy	85

इस प्रकार दिसम्बर 2018 तक 509+85=594 बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी को प्रशिक्षित किया गया।

(C) e[;e=h fo|ky; lqj{kk dk;Øe

1- jkT; ,oa ftyk Lrjh; çf'k{k.k dk;Øe

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय गतिविधियों, यथा, प्रत्येक जिलों के मास्टर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (29 जनवरी से 19 अप्रैल) एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों के एक दिवसीय उन्मुखीकरण (14 मई से 19 मई) के पश्चात बिहार के जिलों में जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों का 3 दिवसीय कार्यक्रम दिनांक 21 मई से प्रारम्भ हुआ। सभी 38 जिलों में जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हो गया है।

अभी तक राज्य स्तर पर 605 मास्टर प्रशिक्षकों को तैयार किया गया है एवं जिला स्तर पर 4231 मास्टर प्रशिक्षिकों की सूची प्राप्त हो चुकी है।

2- ç[kM Lrjh; çf'k{k.k

इस कार्यक्रम के तीसरे चरण में विद्यालयवार फोकल शिक्षकों का प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिसम्बर माह तक गोपालगंज जिले को छोड़कर सभी 37 जिलों में संपन्न हो चुका है। इस चरण में सभी विद्यालयों से एक–एक फोकल शिक्षक को प्रशिक्षित किया जाना है।

अभी तक प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित हुए 40,080 प्रशिक्षित फोकल शिक्षकों की सूची शिक्षा विभाग से प्राप्त हो चुकी है।

3- l|d|y Lrjh; çf'k{k.k dk;Øe

इस कार्यक्रम के चौथे चरण में विद्यालयवार बाल प्रेरकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संकुल स्तर पर होना था। दिसम्बर माह तक 35 जिलों में संकुल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ हो चुका है। 03 जिले जहाँ संकुल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ नहीं हुआ है वे हैं– औरंगाबाद, गोपालगंज, सहरसा,।
अभी तक कुल 1,84,767 बाल प्रेरकों को प्रशिक्षित किये जाने की जानकारी शिक्षा विभाग के माध्यम से प्राप्त हो चुकी है।

4- fo|ky;k e lqjf{kr 'kfuokj dk fØ;kUo;u

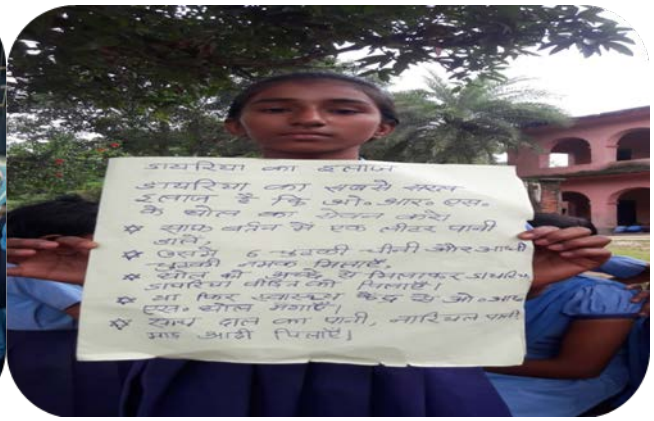

इस कार्यक्रम के अंतिम चरण में विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार की वार्षिक सारणी के अनुसार प्रत्येक शनिवार को बाल प्रेरकों एवं फोकल शिक्षकों के माध्यम से विद्यालयों में आपदा सम्बन्धी जागरूकता कार्यक्रम चलाना था। अभी तक 35 जिलों में विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का क्रियान्वयन प्रारम्भ हो चुका है। शेष 03 जिले जहाँ विद्यालय स्तर पर यह कार्यक्रम प्रारम्भ नहीं हो पाया है वे जिले हैं– औरंगाबाद, गोपालगंज, एवं सहरसा।

सुरक्षित शनिवार के क्रियान्वयन दस्तावेज में वर्णित वार्षिक सारणी के अनुसार दिसम्बर माह के प्रथम शनिवार को बिहार के विभिन्न विद्यालयों में "निमोनिया एवं सर्दी–खांसी/जुकाम, आँख एवं त्वचा का संक्रमण, चेचक से खतरे तथा इसके बचाव के उपाय की जानकारी'' के बारे में फोकल शिक्षकों एवं बाल प्रेरकों के द्वारा जानकारी दी गयी। दिसम्बर माह के दूसरे शनिवार को "हाथ धुलाई खुले में शौच के खतरे, मॉल का सुरक्षित निपटान के सन्दर्भ में जानकारी'' के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। तीसरे शनिवार को "जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड–पौधों का संरक्षण के सन्दर्भ में जानकारी'' दी गयी। चौथे शनिवार को "शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी'' के सन्दर्भ में जानकारी दी गयी। पांचवे शनिवार को ''बच्चों को स्वच्छता संबंधित जानकारी एवं उसका अभ्यास'' के संबंध में बच्चों को बताया गया।

5- dk;Øe d vuJo.k d fy, MkVk ,Vh

इस कार्यक्रम के अनुश्रवण के लिए बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् के द्वारा एक डाटा फॉर्मेट भी विकसित किया गया है जिसे Google Drive के माध्यम से सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी को भेजा गया है। इसमें विस्तृत तौर पर विद्यालयवार फोकल शिक्षकों एवं अन्य गतिविधियों का डाटा इकठ्ठा किया जा रहा है।

इसी क्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् के द्वारा दिनांक 20 अगस्त को एक स्मार पत्र भी सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को भेजा गया है एवं विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना बनाने के लिए एक 5 पृष्ठों का फॉर्मेट भी भेजा गया है।

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम हेतु जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति के गठन के लिए जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति का गठन प्रस्तावित है। समिति का गठन करने हेतु सभी जिलों को पत्र भेजा गया जिसकी प्रतिलिपि सभी प्रमंडलीय आयुक्त, शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव एवं मुख्य सचिव–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को दी गई है।

सुपौल, मधेपुरा एवं गया में जिला स्तरीय समिति गठित करने की सूचना प्राप्त हो चुकी है।

6- dk;Øe d vuJo.k gr ikVy dk fuekZ.k

चूँकि यह कार्यक्रम राज्य के सभी सरकारी एवं निजी प्राथमिक/मध्य विद्यालयों एवं मदरसों में नियमित रूप से संचालित किया जाना है, अतएव कार्यक्रम के अनुश्रवण हेतु यूनिसेफ के सहयोग से एक पोर्टल के निर्माण पर काम चल रहा है। इस पोर्टल पर फोकल शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु किए गए नवाचार एवं गतिविधियों को भी साझा करने की सुविधा रहेगी ताकि फोकल शिक्षक एक दूसरे से सीख सकें।

7- lqjf{kr 'kfuokj 0gkV l ,i xi

सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत प्रत्येक शनिवार विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों को एक दूसरे से साझा करने एवं सीखने–सीखाने के लिए व्हाट्स एप (whatsapp) ग्रुप बनाया गया है। फोकल शिक्षक एवं मास्टर प्रशिक्षक इस माध्यम का भरपूर उपयोग कर रहे हैं।

8- iVuk ftyk d lHkh futh fo|ky;k] enjlk] lL—r f'k{kk ckM ,o vU; foHkkxk }kjk lpkfyr fo|ky;k d Qkdy f'k{kdk dk 2 fnolh; çf'k{k.k dk;Øe&

विभिन्न जिलों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित होने वाले सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के अनुश्रवण से ज्ञात हुआ कि यह कार्यक्रम मुख्य रूप से सरकारी विद्यालयों में चल रहे हैं जबकि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायादेश के आलोक में सभी विद्यालयों में इस कार्यक्रम को संचालित करना है। इस आशय का आदेश शिक्षा विभाग द्वारा सभी जिलों को भेजा गया है। परन्तु अभी तक निजी विद्यालयों एवं मदरसों आदि में फोकल शिक्षकों को शिक्षा विभाग द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया जा सका है।

फलतः प्राधिकरण स्तर से तत्काल पटना जिले के सभी निजी विद्यालयों, मदरसों, संस्कृत शिक्षा बोर्ड के विद्यालयों एवं अन्य विभागों द्वारा संचालित विद्यालयों के एक–एक नामित फोकल शिक्षकों का 2 दिवसीय प्रशिक्षण (लगभग 850 विद्यालयों के फोकल शिक्षक) कुल 18 बैचों में कराने का निश्चय किया गया है। बाद में अन्य जिलों के लिए भी इसका विस्तार किया जाएगा।

दिनांक 26–27 सितम्बर को पटना के ए० एन० सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान गाँधी मैदान पटना में यह प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ। सितम्बर माह में एक बैच में 50 फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। अक्टूबर माह में 6 बैचों में निजी विद्यालयों के 312 फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। नवम्बर माह में 6 बैचों में निजी विद्यालयों एवं संस्कृत विद्यालयों के 310 फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। दिसम्बर माह में 5 बैचों में निजी विद्यालयों के 265 फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

cp	fnukd	ifrHkkfx;k dh l[;k
चौदहवां बैच	04–05 दिसम्बर	59
पंद्रहवां बैच	06–07 दिसम्बर	52
सोलहवां बैच	11–12 दिसम्बर	40
सत्रहवां बैच	13–14 दिसम्बर	62
अठारहवां बैच	18–19 दिसम्बर	52

इस तरह 18 बैचों में निजी विद्यालयों एवं संस्कृत विद्यालयों के 50+312+310+265=937 फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

(D) ukfodk ,oa uko ekfydk dk if'k{k.k

प्राधिकरण द्वारा राज्य स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से चयनित 29 जिलों में जिला प्रशासन द्वारा आपदा प्रबंधन विभाग के वित्तीय सहयोग से नाविकों एवं नाव मालिकों को सुरक्षित नौका चालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला स्तरीय प्रशिक्षण हेतु प्राधिकरण द्वारा विकसित हस्त पुस्तिका सभी नाविकों एवं नाव मालिकों को उपलब्ध करायी गयी है एवं करायी जा रही है एवं प्रशिक्षण का अनुश्रवण किया जा रहा है। जिलों से प्राप्त सूचनानुसार गत माह नवम्बर तक 24 जिलों के कुल 4966 नाविकों एवं नाव मालिकों को प्रशिक्षित किया गया था। माह दिसम्बर में गोपालगंज, लखीसराय एवं शेखपुरा जिलों में कुल 337 नाविक एवं नाव मालिकों को प्रशिक्षण दिया गया।

किशनगंज से 04, भागलपुर से 06, पूर्णिया से 01, सहरसा से 08, सुपौल से 01 एवं वैशाली जिले से 01, कुल 21 प्रशिक्षित नाविकों एवं नाव मालिकों की अतिरिक्त सूची प्राप्त है। जिसे दिसम्बर माह की प्रगति में शामिल किया जा रहा है। दिसम्बर माह के प्रशिक्षण का विवरण निम्नांकित है:–

Øe l[;k	f t yk dk uke	if'kf{kr ukfodk ,o uko ekfydk dh l[;k
1.	गोपालगंज	239
2.	लखीसराय	86
3.	शेखपुरा	12
	d[y	**337**

इस प्रकार अब तक कुल 4966+337+21=5324 नाविक/नाव मालिक प्रशिक्षित किए जा चुके हैं। अनुश्रवण के दौरान सूचना प्राप्त है कि सीतामढ़ी जिले में भी प्रशिक्षण सम्पन्न हो चुका है, परन्तु प्रशिक्षितों की संख्या एवं विवरणी प्राप्त नहीं हो सकी है।

Øe l[;k	f t yk dk uke
1.	सीतामढ़ी

नालंदा जिले में प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित कर लेने हेतु जिला पदाधिकारी से अनुरोध किया गया है।

(E) ukSdkvksa ds fuca/ku gsrq fuca/kdksa@losZ{kdksa dk izf'k{k.k

नौकाओं के सर्वेक्षण एवं निबंधन हेतु विभिन्न जिलों में आदर्श नौका नियमावली के प्रावधानों के अनुसार संबंधित जिला पदाधिकारियों द्वारा अधिसूचित निबंधकों/सर्वेक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत गत अक्टूबर माह तक कुल 17 बैचों में 22 (अति बाढ़ प्रवण एवं बाढ़ प्रवण) जिलों के कुल 398 निबंधकों/सर्वेक्षकों का प्रशिक्षण NINI, (गायघाट, पटना) में कराया जा चुका है। दिसम्बर 2018 की प्रगति निम्नवत् हैः–

l= la[;k	frfFk	izf'k{k.k esa 'kkfey ftys	LFkku	dqy izf'kf{kr izf'k{kq
1.	05.12.2018 से 07.12.2018	सीतामढ़ी/दरभंगा	NINI गाय घाट, पटना	23
2.	11.12.2018 से 13.12..2018	सीतामढ़ी/दरभंगा/मुंगेर		19
3.	19.12.2018 से 21.12.2018	सीतामढ़ी/दरभंगा		16
		dqy		58

इस प्रकार दिसम्बर माह तक 22 जिलों के कुल 398+58=456 निबंधकों/सर्वेक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(F) vkink tkf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij iapk;r izfrfuf/k;ksa dk izf'k{k.k dk;ZØe %&

1- jkT; Lrj ij izf'kf{kr ekLVj Vªsuj }kjk ftyk esa iz[kaM Lrjh; izf'k{k.k

पंचायती राज संस्थानों के जन प्रतिनिधियों के प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण हेतु प्राधिकरण द्वारा जिलों को आवश्यक वित्तीय सहयोग दिया जा रहा है। अब तक निम्नांकित जिलों में प्रखंड स्तर पर जन प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किए जाने की सूचना प्राप्त हैः—

1. मधुबनी 2. मधेपुरा 3. दरभंगा 4. पूर्वी चम्पारण 5. सुपौल 6. पटना 7. सारण 8. सहरसा 9. सीतामढ़ी, 10. शिवहर 11. किशनगंज 12. नालंदा 13. सिवान 14. समस्तीपुर 15. मुजफ्फरपुर 16. वैशाली 17. बांका 18. जहानाबाद 19. कटिहार 20. पश्चिमी चम्पारण 21. बक्सर 22. अररिया 23. औरंगाबाद 24. अरवल 25. नवादा 26. खगड़िया 27. शेखपुरा 28. कैमूर 29. भागलपुर 30. बेगूसराय 31. पूर्णिया 32. रोहतास 33. जमुई 34. मुंगेर 35. गोपालगंज।

उपर्युक्त जिलों से प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों के आँकड़े विहित प्रपत्र में प्राधिकरण को भेजने हेतु अनुरोध किया गया है एवं उन सभी जिलों से यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों का डाटा बेस तैयार कर जिला के वेबसाईट पर अपलोड किया जाय। अभी तक मात्र मधुबनी, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सारण, जहानाबाद, पूर्वी चम्पारण, सुपौल एवं बांका जिले से विहित प्रपत्र में प्रशिक्षण का ऑकड़ा प्राप्त हुआ है।

इन 8 जिलों से प्राप्त प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या निम्नवत् हैः—

Ø0 l0	ftyk dk uke	ftyk ifj"kn lnL; ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	ipk;r lfefr lnL; ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	efq[k;k ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	ljip ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	okMZ lnL; ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	ip ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	dqy if'k{krk dh l0
1	मधुबनी	56	539	371	378	5149	5127	11620
2	मुजफ्फरपुर	25	288	263	207	1627	1291	3701
3	शिवहर	1	48	30	35	558	540	1212
4	सारण	6	294	273	239	3897	3139	7848
5	जहानाबाद	4	87	78	85	968	927	2149
6	पूर्वी चम्पारण	10	271	236	262	3234	2553	6566
7	सुपौल	15	198	146	145	1766	1631	3901
8.	बांका	13	161	117	152	1987	1912	4342
	dqy	**130**	**1886**	**1514**	**1503**	**19186**	**17120**	**41339**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(G) vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij fcgkj ds lHkh ftyksa ds p;fur iz[k.Mksa ds izeq[k ,oa ftyk ifj"kn~ v/;{k dk jkT; Lrjh; izf'k{k.k dk;Zdze

बिहार राज्य के बहु–आपदा के संबंध में प्रखण्ड स्तर तक आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन संबंधी जागरूकता के उद्देश्य से बिहार के सभी प्रखंडों के प्रमुख एवं जिला परिषद् अध्यक्ष का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विशय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आरंभ किया गया है।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रखंडों के प्रमुख एवं जिला परिषद् अध्यक्ष को बहु–आपदा के जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के संबंध में जानकारी उपलब्ध करायी जा सकेगी और इसके द्वारा आपदाओं के जोखिम की पहचान कर उससे सामना करने हेतु उनका क्षमतावर्धन हो सकेगा तथा ''बिहार आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोड मैप 2015–2030'' के उद्देश्य के अनुरूप एक ''सुरक्षित बिहार'' के संकल्प को पूरा करने में मदद मिलेगी।

प्राधिकरण द्वारा माह नवम्बर 2018 से चयनित प्रखंडों के प्रमुखों को ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसका विवरण निम्नवत हैः–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

dze	fnukad	izfrHkkxh ftyk	izfrHkkfx;ksa dh la[;k
1	27–28 नवम्बर, 2018	मधेपुरा, मधुबनी, सुपौल, शिवहर, जमुई, रोहतास, अररिया, खगड़िया, पटना, गोपालगंज, दरभंगा, सीतामढ़ी, अरवल, पूर्वी चम्पारण, बक्सर, मुंगेर, पश्चिम चम्पारण।	20
2	6–7 दिसम्बर 2018	मधेपुरा, मधुबनी, सुपौल, अररिया, खगड़िया, पटना, गोपालगंज, दरभंगा, सीतामढ़ी, अरवल, पूर्वी चम्पारण, बक्सर, पश्चिम चम्पारण, किशनगंज, भागलपुर, गया, कटिहार, नवादा, औरंगाबाद, नालंदा, भोखपुरा, पूर्णिया, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, लखीसराय, जहनाबाद।	37
3	11–12 दिसम्बर 2018	मधुबनी, पटना, गोपालगंज, दरभंगा, भागलपुर, औरंगाबाद, भोखपुरा, मुजफ्फरपुर, लखीसराय, अरवल, जहनाबाद, सारण, रोहतास, सिवान।	15
4	17–18 दिसम्बर, 2018	कैमूर, पूर्वी चम्पारण, शिवहर, कटिहार, सहरसा, रोहतास, जहनाबाद, गया, किशनगंज, सुपौल, खगड़िया, सारण, लखीसराय, पटना, सिवान, वैशाली, नालन्दा, मधुबनी, समस्तीपुर, भोजपुर, भागलपुर।	29
5.	27–28 दिसम्बर, 2018	नालन्दा, मधेपुरा, दरभंगा, लखीसराय, रोहतास, भोखपुरा, औरंगाबाद, भागलपुर, सिवान, सारण, भोजपुर, मुजफ्फरपुर, सुपौल, बेगूसराय, पश्चिम चम्पारण, कैमूर, पटना।	26
		कुल	127

इस प्रकार दिसम्बर माह तक कुल 127 प्रखंड प्रमुखों को प्रशिक्षित किया गया है।

(H) fcgkj HkdEiekih r= dk ixfr fooj.k

1. भूकम्प दूरमापी तंत्र का केन्द्र पटना विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित करने के संबंध में पटना विश्वविद्यालय एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच एक Memorandum of Understanding (MoU) हस्ताक्षरित किया जाना लंबित है। विश्वविद्यालय प्रशासन एवं कुलपति से लगातार सम्पर्क किया जा रहा है। स्थल उपलब्ध हो जाने पर संग्रहण केन्द्र का निर्माण प्रारंभ होगा।

2. दस क्षेत्रीय वेधशालाओं में छः में निर्माण कार्य चल रहा है। मोतीहारी, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज एवं छपरा में Roof Casting का कार्य पूरा हो चुका है तथा पूर्णिया में Roof Level तक एवं पटना क्षेत्रीय वेधशाला में Ground Level तक का कार्य पूरा किया जा चुका है। अन्य चार वेधशालाओं में कार्य शीघ्र शुरू करने हेतु बिहार भवन निर्माण निगम को लगातार अनुरोध किया जा रहा है।

3. क्षेत्रीय वेधशालाओं एवं संग्रहण केन्द्र का निर्माण होने पर मशीनों का क्रय एवं अधिष्ठापन किया जाएगा। प्राधिकरण द्वारा गठित उच्च स्तरीय तकनीकी समिति आवश्यक मशीनों का निर्धारण कर दिया गया है।

(I) Mass Messaging/Whatsapp Advisory

दिसम्बर माह में प्राधिकरण द्वारा ''BM ls cpus ds mik;^^ एवं ^^'khrygj ls dsls cps पर Mass Messaging किया गया जो निम्नांकित हैः– पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, पंचों, वार्ड सदस्यों, सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों, जिला परिषद् सदस्योंः–(643122), आशा कर्मचारियों (77542), जीविका दीदी (148890), आंगनबाड़ी सेविका (45946), प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित फायर सर्विसेस (142)

fcgkj jkT; vkink izca/ku izkf/kdj.k }kjk izf'kf{kr%& फोकल टीचर (1542), नाविक एवं नाव मालिक (3520), मुखिया और सरपंच (968), अभियंत्ता (785), मैसन (2529), आदि लोगों को Mass Messaging द्वारा जागरूक किया गया।

iz'kklu%& DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), DCLR (102), Commisioners (9)

मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत सुरक्षित शनिवार की Monitoring के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा हर सप्ताह वार्षिक सारणी पर आधारित Mass Messaging किया जा रहा है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BM l cpu d mik;%&

बाहर जाना हो तो समुचित गर्म कपड़े पहन कर ही निकलें।
सिर, हाथ एवं पैर को भी ठीक तरह से ढ़क लें।

शरीर का तापमान ठीक रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं
गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें।

उच्च रक्तचाप, मधुमेह के मरीज तथा ह्दय रोगी चिकित्सक की सलाह
जरूर लेते रहें तथा सामान्यता धूप होने पर ही घर से बाहर निकलें।

विशेष परिस्थिति उत्पन्न होने पर नजदीकी अस्पताल से चिकित्सीय परामर्श
लें।

'khrygj l d l cp%&

बाहर जाना हो तो समुचित गर्म कपड़ों को पहनकर ही निकेलें।
सिर, चेहरा, हाथ एवं पैर को भी ठीक तरह से ढ़क लें।

शरीर का तापमान ठीक रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं गर्म पेय पदार्थों
का सेवन करें।

शीतलहर के दौरान बच्चे व वृद्ध घर से बाहर कम निकलें।
उच्च रक्तचाप, मधुमेह के मरीज तथा ह्दय रोगी की सलाह
जरूर लेते रहें तथा सामान्यता धूप होने पर ही घर से बाहर निकलें।
विशेष परिस्थिति उत्पन्न होने पर नजदीकी अस्पताल से चिकित्सीय परामर्श
लें।
समाचार पत्र/रेडियो/टेलीविजन के माध्यम से मौसम की जानकारी लेते
रहें।

e[;e=h fo|ky; l j{kk dk;Øe%&

सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार दिनांकः–29.12.2018 को बिहार के
सभी विद्यालयों के चेतना सत्र में बच्चों को स्वच्छता के संबंध में जानकारी
दिया जाना तथा उसका अभ्यास कराया जाना है।
कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित
कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।
आपका थोडा–सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान
है।